Class 10th - B

पद

(1)

हरि आप हरो जन री भीर।
द्रोपदी री लाज राखी, आप बढ़ायो चीर।
भगत कारण रूप नरहरि, धर्यो आप सरीर।
बूढ़तो गजराज राख्यो, काटी कुण्जर पीर।
दासी मीराँ लाल गिरधर, हरो म्हारी भीर।।

(2)

स्याम म्हाने चाकर राखो जी,
गिरधारी लाला म्हाँने चाकर राखोजी।
चाकर रहस्यूँ बाग लगास्यूँ नित उठ दरसण पास्यूँ।
बिन्दरावन री कुंज गली में, गोविन्द लीला गास्यूँ।
चाकरी में दरसण पास्यूँ, सुमरण पास्यूँ खरची।
भाव भगती जागीरी पास्यूँ, तीनूं बाताँ सरसी।
मोर मुगट पीताम्बर सौहे, गल वैजन्ती माला।
बिन्दरावन में धेनु चरावे, मोहन मुरली वाला।
ऊँचा ऊँचा महल बणावं बिच बिच राखूँ बारी।
साँवरिया रा दरसण पास्यूँ, पहर कुसुम्बी साड़ी।
आधी रात प्रभु दरसण, दीज्यो जमनाजी रे तीरां।
मीराँ रा प्रभु गिरधर नागर, हिवड़ो घणो अधीराँ।।

संदर्भ : मीराँ ग्रंथावली-2, कल्याण सिंह शेखावत

Scanned with CamScanner

प्रश्न-अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. पहले पद में मीरा ने हरि से अपनी पीड़ा हरने की विनती किस प्रकार की है?
2. दूसरे पद में मीराबाई श्याम की चाकरी क्यों करना चाहती हैं? स्पष्ट कीजिए।
3. मीराबाई ने श्रीकृष्ण के रूप-सौंदर्य का वर्णन कैसे किया है?
4. मीराबाई की भाषा शैली पर प्रकाश डालिए।
5. वे श्रीकृष्ण को पाने के लिए क्या-क्या कार्य करने को तैयार हैं?

(ख) निम्नलिखित पंक्तियों का काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए–

1. हरि आप हरो जन री भीर।
   द्रोपदी री लाज राखी, आप बढ़ायो चीर।
   भगत कारण रूप नरहरि, धर्यो आप सरीर।
2. बूढ़तो गजराज राख्यो, काटी कुण्जर पीर।
   दासी मीराँ लाल गिरधर, हरो म्हारी भीर।
3. चाकरी में दरसण पास्यूँ, सुमरण पास्यूँ खरची।
   भाव भगती जागीरी पास्यूँ, तीनूं बाताँ सरसी।

भाषा अध्ययन

1. उदाहरण के आधार पर पाठ में आए निम्नलिखित शब्दों के प्रचलित रूप लिखिए–

   उदाहरण– भीर – पीड़ा / कष्ट / दुख; री – की

चीर	--------	बूढ़ता	--------
धर्यो	--------	लगास्यूँ	--------
कुण्जर	--------	घणा	--------
बिन्दावन	--------	सरसी	--------
रहस्यूँ	--------	हिवड़ा	--------
राखो	--------	कुसुम्बी	--------

Scanned with CamScanner

शब्दार्थ और टिप्पणियाँ

बढ़ायो	-	बढ़ाना
गजराज	-	ऐरावत
कुंजर	-	हाथी
पास्यूँ	-	पाना
लीला	-	विविध रूप
सुमरण	-	याद करना / स्मरण
जागीरी	-	जागीर / साम्राज्य
पीतांबर	-	पीला वस्त्र
वैजंती	-	एक फूल
तीरां	-	किनारा
अधीरां (अधीर)	-	व्याकुल होना
द्रोपदी री लाज राखी	-	दुर्योधन द्वारा द्रोपदी का चीरहरण करने पर श्रीकृष्ण ने चीर को बढ़ाते-बढ़ाते इतना बढ़ा दिया कि दु:शासन का हाथ थक गया
काटी कुंजर पीर	-	कुंजर का कष्ट दूर करने के लिए मगरमच्छ को मारा

Monika Yadav

TGT (Hindi)

Scanned with CamScanner